उत्तर प्रदेश के प्राथमिक क्षेत्र में वृद्धि

चर्चा में क्यों?

राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (NABARD) द्वारा तैयार **यूपी के लिये स्टेट फोकस पेपर 2024-25** के अनुसार, **वर्ष 2024-25** में यूपी के प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में ऋण प्रवाह **5.73 ट्रिलियन रुपए** तक पहुँचने का अनुमान है।

- **कृषि,** सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (MSME) और सेवा क्षेत्र को सरकार द्वारा प्राथमिकता वाले क्षेत्रों के रूप में पहचाना जाता है।

मुख्य बिंदु:

- 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को हासिल करने के लिये राज्य को **कृषि में 250%, MSME में 300% और सेवा क्षेत्र में 450% की वृद्धि दर की आवश्यकता होगी।**
  - विकास के उत्प्रेरक के रूप में ऋण के महत्त्व को रेखांकित करते हुए, यूपी सरकार ने बैंकरों को **राज्य के ऋण जमा (CD)** अनुपात में सुधार करने के लिये प्रेरित किया है।
  - **यूपी को एक अग्रणी निवेश गंतव्य के रूप में प्रदर्शित करने के लिये** राज्य का एक प्रतिनिधिमंडल स्विट्ज़रलैंड के दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (WEF) में भाग ले रहा है।
  - राज्य **रोज़गार सृजन के लिये स्टार्टअप** को भी बढ़ावा दे रहा है। यूपी के **एसोसिएटेड चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया (ASSOCHAM) ने भारत स्टार्टअप एंड इनोवेशन सोसाइटी (BSIS)** के साथ साझेदारी की है, जो एक धर्मार्थ समाज है जो उद्यमियों की अगली पीढ़ी के पोषण और मार्गदर्शन पर कार्य करता है।
- नाबार्ड, यूपी के मुख्य महाप्रबंधक ने 19.2% की अनुमानित विकास दर के **साथ राज्य को भारत का "विकास इंजन" कहा है**।
  - ईज़ ऑफ डूइंग बिजनेस के मामले में राज्य **वर्ष 2017 में 14वें स्थान से दूसरे स्थान पर आ गया है।**
- स्टेट फोकस पेपर **सभी 75 ज़िलों के लिये** ज़मीनी स्तर पर **ऋण संभावनाओं को संकलित करता है**।
  - पेपर के आधार पर, वर्ष **2024-25 के लिये वार्षिक क्रेडिट योजना को यूपी में राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (SLBC) द्वारा अंतिम रूप दिया जाएगा।**
- राज्य, फसल की गुणवत्ता में सुधार करके कृषि निर्यात को बढ़ावा देने के लिये कदम उठा रहा है।
  - भारत के कुल कदन्न/मिलेट्स उत्पादन में यूपी का योगदान 20% है, लेकिन निर्यात केवल 1% था।

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (WEF)

- वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (WEF) **एक स्विस गैर-लाभकारी संस्थान है जिसकी स्थापना वर्ष 1971** में जिनेवा (स्विट्ज़रलैंड) में हुई थी।
- स्विस सरकार द्वारा इसे **सार्वजनिक-निजी सहयोग के लिये एक अंतर्राष्ट्रीय संस्था** के रूप में मान्यता प्राप्त है।
- WEF वैश्विक, क्षेत्रीय और उद्योग जगत की परियोजनाओं को आकार देने हेतु व्यापार, राजनीतिक, शिक्षा क्षेत्र तथा समाज के अन्य प्रतिनिधियों को शामिल करके **विश्व की स्थिति में सुधार के लिये प्रतिबद्ध** है।

राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (NABARD)

- नाबार्ड **एक विकास बैंक है जो प्राथमिक तौर पर देश के ग्रामीण क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करता है।** यह कृषि एवं ग्रामीण विकास हेतु वित्त प्रदान करने के लिये शीर्ष बैंकिंग संस्थान है।
- इसका **मुख्यालय देश की वित्तीय राजधानी मुंबई में अवस्थित है।**
- कृषि के अतिरिक्त यह छोटे उद्योगों, कुटीर उद्योगों एवं ग्रामीण परियोजनाओं के **विकास के लिये उत्तरदायी है।**
- यह एक सांविधिक निकाय है जिसकी स्थापना वर्ष 1982 में **राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक अधिनियम, 1981** के तहत की गई थी।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/uttar-pradesh-s-priority-sector-jump